Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

|| ओ३म् ||

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	" **Sanvad lekhan ki report** "	
Academic Session	2024-25	
Organizing Department/ Committee	Major HLT (SEC I Year)	
Total Number of Students Participated in the Project	19	
Brief Report	The Project entitled - " **Sanvad lekhan ki report** " undertaken by the Department of Hindi during the session of 2024-25 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 10 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator P. Dabli Dr. Yugeshari Dabli	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator -IQAC Coordinator (Dr Mugdha Deshpande)	Signature of & Stamp of Principal Principal (Prof Dr Sujata Chakravorty)

Ph.: Off.: २६३३२३३/२९५५९७७
aryawani.ngp@gmail.com

|| ओ३म् ||

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विदया सभा दवारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)

जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
01.	Ekra Akram Khan	B. A	I year
02.	Kiran Dashrath Bawane	B. A	I year
03.	Sharda Churaman Dhurve	B. A	I year
O4.	Ayesha Fatma Karamat Ali Mansoori	B. A	I year
05.	Siya Dinesh Bhairam	B. A	I year
06.	Payal Ghosh	B. A	I year
07.	Prachi Shiva Uikey	B. A	I year
08.	Khushboo Chandu Chouohari	B. A	I year
09.	Roshni Chandanlal Sonwane	B. A	I year
10.	Simranjeet Kaus Sountre	B. A	I year
11.	Saloni M. Kulmethe	B. A	I year
12.	Disha P. Tembhare	B. A	I year
13.	Nandini S. Dongre	B. A	I year
14.	Gunjan P. Gajbhiye	B. A	I year
15.	Fatehunnish M. Haziz	B. A	I year
16.	Saloni gendlal sahare	B. A	I year
17.	Nirali Sandeep Kontangale	B. A	I year
18.	Laxmi Sudhakar Awasarer	B. A	I year
19.	Alshifa Shehiad Khan	B. A	I year

Front Page of Project

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'Hindi project'

Organised By

Department of project

CERTIFICATE

This is to certify that project work in the subject Major HLT (SEC) entitles HLT : Sanvad lekhan ki reporthsa been successfully completed by ku. Ekra Akram Khan of B.A I Year during the Academic session 2024-25 Hence the certificate is awarded to her.

P. Dabli

Co-Ordinator
Dr. -Yugeshwari Dabli
Dept. of Hindi

Principal
Dr. Sujata Chakravorty
DAKM, Nagpur

Project Copy

TOPIC

Date : / /

Page No.:

नाम :- इकरा खान

कक्षा :- बी.ए. प्रथम सत्र

विषय :- मेजर (मुख्य) हिन्दी साहित्य

प्रोजेक्ट का नाम :- संवाद लेखन (SEC)

महाविद्यालय का नाम :- दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय, नागपुर

सत्र :- 2024-2025

TOPIC

Date : / /

Page No.: 01

संवाद लेखन

अ. क्र	अनुक्रमणिका घटक के नाम	पृष्ठ क्र
1)	प्रस्तावना	
2)	विषय का चयन	
3)	उद्देश्य / महत्व	
4)	अभ्यास पद्धति	
5)	निरीक्षण / विश्लेषण	
6)	निष्कर्ष	

Vayu™ Diamond

Diamond

संवाद लेखन
परिभाषा, प्रारूप,
और उदाहरण

प्रस्तावना

सवांद लेखन, जिसे वार्तालाप या बातचीत का लेखन भी कहते हैं, एक ऐसी कला है। जिसमें दो या अधिक व्यक्तियों के बीच होने वाली बातचीत को लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है, ताकि पाठक या दर्शक को किसी स्थिति, भावनाओं या विचारों को स्पष्ट रूप से समझा जा सके।

जब दो या से अधिक लोगों के बीच होने वाले वार्तालाप को लिखा जाता है तब वह सवांद लेखन कहलाता है सवांद लेखन काल्पनिक भी हो सकता है और किसी वार्ता को ज्यों का त्यों लिखकर भी।

भाषा, बोलने वाले के अनुसार थोड़ी - थोड़ी भिन्न होती है उदाहरण के रूप में एक अध्यापक की भाषा छात्र की अपेक्षा ज्यादा संतुलित और सारगर्भित (अर्थपूर्ण होगी। एक पुलिस अधिकारी की भाषा और अपराधी की काफी अंतर

Vayu™ Diamond
Diamond

TOPIC

Date: / /

Page No.: 03

विषय का चयन

संवाद लेखन में विषय का चयन करते समय, आपको ऐसे विषय चुनने चाहिए जो पाठकों को आकर्षित करें, संवाद को रोचक बनाए, और पात्रों के व्यक्तित्व को उजागर करें, साथ ही संघर्ष और जटिलता भी शामिल हो

ऐसे विषय चुनें जो पाठकों की रुचि को जगाए, जैसे कि प्रेम, दोस्ती, संघर्ष, रहस्य, या सामाजिक मुद्दे.

संवाद के माध्यम से पात्रों के विचारों, भावनाओं और व्यवहार को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करें.

संवाद में कुछ संघर्ष या जटिलता शामिल करें, जो कहानी को आगे बढ़ाए और पाठकों को सोचने पर मजबूर करें.

VAYU ™ Diamond

Diamond

उद्देश्य / महत्व

संवाद लेखन का मुख्य उद्देश्य विचारों, भावनाओं और ज्ञान को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से व्यक्त करना दूसरों से जुड़ना, और आपसी समझ को बढ़ावा देना है

संवाद लेखन का प्राथमिक उद्देश्य अपने विचारों, भावनाओं अनुभवों को दूसरों के साथ साझा करना है

यह माध्यम है जिसके द्वारा आप किसी विषय या घटना के बारे में जानकारी दे सकते है, या किसी समस्या का समाधान सुझा सकते है

संवाद लेखन से लोगो के बीच बेहतर समझ और सहयोग स्थापित होता है

संवादो के माध्यम से व्यक्ति अपने संवाद में इस्तमाल होने वाले शब्दों के जरिए ना सिर्फ अपने मन की बात कह पाता है बल्कि अपने भावों को भी बेहतर तरीके से नाटकीय रूप देकर प्रकट कर सकता है।

TOPIC

Date : / /

Page No.: 06

अभ्यास पद्धती

सवांद लेखन का अभ्यास करने के लिए, पहले सवांद लेखन की परिभाषा, प्रकार और विशेषताओं को समझें। फिर, विभिन्न विषयों पर सवांद लिखें, उदाहरणों का अध्ययन करें, और अपनी लेखन शैली में सुधार के लिए प्रतिक्रिया लें

दो या दो से अधिक लोगों के बीच की बातचीत को लिखित रूप में प्रस्तुत करना.

व्यक्तिगत, सामाजिक, पेशेवर, या व्यावसायिक विषयों पर सवांद हो सकते हैं।

पत्र-लेखन, पत्रिका लेखन, और नाटकों में सवांद-लेखन का उपयोग किया जाता है।

vayu TM Diamond

Diamond

संवाद लेखन

TOPIC

Date : / /

Page No.: 07

निरीक्षण / विश्लेषण

सवांद में भाषा स्पष्ट और सहज होनी चाहिए, ताकि पाठक असानी से समझ सके.

पात्रों के व्यक्तित्व और पृष्ठभूमि के बाद अनुसार भाषा शैली का चयन करें।

सवांद में इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द और वाक्य कहानी के संदर्भ में उपयुक्त होने चाहिए।.

सवांद पात्रों के चरित्र को उजागर करने में मदद करते हैं।

सवांद पात्रों की बीच के संबंधो को दर्शाते हैं

सवांद पात्रों की गतिशीलता और विकास को दर्शाते हैं

सवांद कहानी की गति को प्रभावित करते हैं

सवांद कहानी में मोड़ और मोड़ ला सकते हैं

सवांद कहानी के अंत को प्रभवित कर सकते है।

vayu Diamond

TOPIC

Date : / /

Page No.: 08

निष्कर्ष

संवाद लेखन हमें दूसरों के विचारों और भावनाओं को समझने में मदद करता है जिससे सहानुभूति और सह- अस्तित्व की भावना बढ़ती है

संवाद, मतभेदों को सुलझाने और विवादों को करने का एक प्रभावी तरीका है क्योंकि यह सभी पक्षों को अपनी बात रखने और सुनने का अवसर प्रदान करता है।

संवाद लेखन सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है, क्योंकि यह हमें दूसरों के साथ बातचीत करने, संबंध बनाने और समुदाय में सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद करता है।

संवाद लेखन हमारे व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह हमें अपनी अभिव्यक्ति कौशल, आलोचनात्मक सोच और समाधान क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद करता है।

Vayu™ Diamond

Diamond